ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 26 | अक्टूबर-II-2024 | अंक - 14 | माउण्ट आबू | Rs.-12

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सेक्रेटरी जनरल राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर भाई का अव्यक्तारोहण

राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर भाई जी, एक ऐसा अमूल्य हीरा जिसे स्वयं पिताश्री ब्रह्मा बाबा ने अपने हाथों से तराशा। एक ऐसा अलौकिक नाम जो हरेक ब्रह्मावत्स की ज़ुबान पर आते ही हृदय में मिठास भर देता। एक ऐसा चुम्बकीय व्यक्तित्व जो पहली ही मुलाकात में सबके दिलों पर अमिट छाप छोड़ देता। 20 नवम्बर 1938 के दिन पंजाब में होशियारपुर जिले के छोटे से गांव गुरदासपुर में जन्म लेने वाले एक नन्हें से बालक निर्वैर सिंह को देखकर शायद ही किसी को अंदाज़ा हुआ होगा कि एक दिन यह अध्यात्म की ऊँचाइयों को छूकर मानवता की सच्ची सेवा का आधार स्तम्भ बनेगा।

नाम मिला निर्वैर... अध्यात्म में रही रुचि

इनका लौकिक जन्म अकाली घर में हुआ पंजाब में, और नाम मिला निर्वैर। ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय में आने के बाद जब इन्होंने ये रियलाइज़ किया कि मुझे तो बचपन से ही नाम ऐसा मिला हुआ है कि किसी से वैर ही नहीं है। बस... सबसे प्यार है।

बचपन से ही स्वामी विवेकानंद, स्वामी रामतीर्थ, महात्मा गांधी, डॉ. राधाकृष्णन की किताबें पढ़ने वाले ब्र.कु. निर्वैर भाई जी का नाम आज विश्व की महानतम आध्यात्मिक विभूतियों में लिया जाता है।

आप ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू में बतौर जनरल सेक्रेट्री अपनी सेवायें दे रहे थे।

आपने 13 साल की उम्र से ही आध्यात्मिक -शेष पेज 11 पर...

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा युवाओं को मज़बूत और सशक्त बनाने की पहल का लाभ लें : कुलपति डॉ. पोरिया

- शिक्षाविदों के लिए 'स्वस्थ एवं सशक्त भारत के लिए आध्यात्मिक शिक्षा' सम्मेलन
- देशभर से पहुंचे विशेषज्ञ, युवाओं पर की चर्चा
- स्वस्थ व सशक्त भारत के लिए मूल्य शिक्षा ज़रूरी : दादी

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में शिक्षाविदों के सम्मेलन में संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि यदि नए भारत का निर्माण करना है तो उसके लिए स्वस्थ एवं सशक्त भारत बनाना होगा। युवाओं को आध्यात्मिक शिक्षा और ज्ञान को जीवन में उतारना होगा। दादी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की शिक्षा मनुष्य को श्रेष्ठ मनुष्य बनाने के लिए उपयोगी और ज़रूरी है। राजयोग ध्यान से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। ब्रह्माकुमारीज़ की इस मूल्य आधारित शिक्षा से लाखों लोगों का जीवन बदला है। यह अपने आप में बहुत बड़ा उदाहरण है। हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. के.सी. पोरिया ने कहा कि आज के विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में युवाओं में तेज़ी से नशे की लत बढ़ रही है। ऐसे में उन्हें मज़बूत और सशक्त बनाने के लिए आध्यात्मिक शिक्षा की अति आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान इसके लिए पहल कर रहा है। इसका लाभ लेना चाहिए।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सूचना निदेशक ब्र.कु. करुणा भाई तथा शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय भाई ने कहा कि आपे सभी का परमात्मा के घर में आना ही शिक्षा में नई क्रांति का प्रतीक है। हम सभी को मिलकर इसे आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षा प्रभाग की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा ब्र.कु. शीलू बहन एवं मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. शिविका बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात यूनिवर्सिटी पाटन के रजिस्ट्रार डॉ. रोहित देसाई, प्रभाग की नेशनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. सुमन, डॉ. सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी भगवानपुर के डीन डॉ. धर्मेंद्र कुमार समेत अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। संचालन शिक्षा प्रभाग की ब्र.कु. सुप्रिया बहन ने किया।

सद्गुणों की प्राप्ति अध्यात्म से ही सम्भव : सविता दीदी

- हमारी शिक्षा ऐसी हो, जो अच्छे चरित्र का निर्माण करे : डॉ. अरुणा पल्टा
- शिक्षकों में इतना नैतिक बल हो जो दूसरों को प्रेरित कर सकें : डॉ. शुक्ल
- मूल्यनिष्ठ शिक्षा से जीवन में सत्यनिष्ठा और सम्मान की भावना आएगी : डॉ. राव

शान्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर में शिक्षक दिवस सम्मान समारोह

रायपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षाविद सेवा प्रभाग द्वारा शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में 'श्रेष्ठतम समाज के लिए मूल्य आधारित शिक्षा' विषय पर शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर हेमचन्द विश्वविद्यालय दुर्ग की कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा ने स्वामी विवेकानन्द का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि हमारी शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो अच्छे चरित्र का निर्माण करे। अगर हम चरित्र का निर्माण नहीं कर पा रहे तो कितनी भी अच्छी शिक्षा हम दें, उसका कोई औचित्य नहीं है। पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानन्द शुक्ल ने कहा कि शिक्षकों के अन्दर इतना नैतिक बल होना चाहिए कि वह दूसरों को प्रेरित कर सकें। शिक्षक अपने विद्यार्थियों को भारतीय होने के गर्व का बोध कराएं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान(एन.आई.टी.) के डायरेक्टर डॉ. एन.वी. रमना राव ने कहा कि मूल्यनिष्ठ शिक्षा से ही जीवन में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, पर्यावरण की सुरक्षा और परस्पर सम्मान की भावना पैदा होगी। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव शर्मा ने कहा कि हमारी शिक्षा केवल रोजगार केन्द्रित नहीं होनी चाहिए। हमारा समाज सुखी तब बनेगा जब शिक्षक शिक्षा के माध्यम से छात्रों में मानवीय संवेदना जगाएंगे। ब्रह्माकुमारीज़ की रायपुर संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी ने कहा कि देश में कई ऐसी उत्कृष्ट संस्थाएं हैं जो कि अच्छे डॉक्टर्स और इंजीनियर्स बनाने का कार्य कर रही हैं किन्तु उन्हें अच्छा इंसान बनाने के लिए कोई शिक्षा संस्थान नहीं है। आध्यात्मिकता हमारे जीवन को नैतिक मूल्यों से संवारने में मदद करती है। राजयोग मेडिटेशन इसमें बहुत अधिक मददगार सिद्ध हो सकता है। ब्र.कु. रूचिका दीदी ने कहा कि आज सबके पास डिग्रियां बढ़ रही हैं लेकिन भाईचारा कम हो रहा है। अगर हमें मूल्यनिष्ठ समाज बनाना है तो उसके लिए शिक्षकों को समाज के आगे आदर्श बनकर स्वयं को प्रस्तुत करना होगा।